परिशिष्ट

सिविल सेवा (प्रधान) परीक्षा, 2020 तथा 2021 में बैठने वाले उन उम्मीदवारों से संबंधित विवरण, जिन्होंने किसी भारतीय भाषा/ विदेशी भाषा के साहित्य को एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना हो					
वर्ष के दौरान परीक्षा में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों की संख्या					
क्रम.सं.	भाषा (वैकल्पिक विषय)	2020		2021	
		पेपर-I	पेपर-II	पेपर-I	पेपर-II
[क] वैकल्पिक विषय के तौर पर किसी भारतीय भाषा का साहित्य					
1.	असमिया	2	2	0	0
2.	बांग्ला	2	2	3	3
3.	गुजराती	48	48	31	30
4.	हिन्दी	223	222	207	206
5.	कन्नड़	82	82	59	59
6.	कश्मीरी	0	0	0	0
7.	कोंकणी	0	0	0	0
8.	मलयालम	93	93	72	72
9.	मणिपुरी	4	4	2	2
10.	मराठी	9	9	8	8
11.	नेपाली	0	0	0	0
12.	उड़िया	2	2	0	0
13.	पंजाबी	25	25	15	14
14.	संस्कृत	39	39	32	31
15.	सिंधी **(**देवनागरी**)**	0	0	2	2
16.	सिंधी **(**अरबी**)**	1	1	0	0
17.	तमिल	63	62	27	27
18.	तेलुगू	35	35	20	20
19.	उर्दू	11	11	7	7
20.	डोगरी	0	0	0	0
21.	मैथिली	31	31	11	11
22.	संथाली	0	0	0	0
23.	बोडो	0	0	0	0
	कुल [**क**]	**670**	**668**	**496**	**492**

वर्ष में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों की संख्या				
भाषा (वैकल्पिक विषय)	**2020**		**2021**	
	पेपर-**I**	पेपर-**II**	पेपर-**I**	पेपर-**II**
[ख] वैकल्पिक विषय के तौर पर अंग्रेजी साहित्य				
वैकल्पिक विषय के तौर पर अंग्रेजी साहित्य को चुनने वाले उम्मीदवारों की कुल संख्या **[**ख**]**	25	25	26	26
किसी भाषा के साहित्य को वैकल्पिक विषय के तौर पर चुनने वाले उम्मीदवारों की कुल संख्या [**क+ख**]	**695**	**693**	**522**	**518**
पेपर 1 (निबंध) के आधार पर, परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों की कुल संख्या के संदर्भ में भारतीय भाषा को वैकल्पिक विषय के तौर पर चुनने वाले उम्मीदवारों का प्रतिशत [**क**] [**2020 में 10336** और **2021** में **8925]**	**6.4822**	**6.4628**	**5.5574**	**5.5126**